ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–43

दिनांकः शुक्रवार, 5 जून, २०२६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.6 एवं 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 76 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 54 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 7.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.0 एवं दोपहर में 37.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(06–10 जून 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 06 जून से 10 जून, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि में उत्तर बिहार में उमस भरी गर्मी बनी रहने की संभावना है। 6 एवं 9 जून को कुछ स्थानों पर गरज–चमक, तेज हवाओं तथा हल्की वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।
- इस अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 37 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 3–4 डिग्री सेल्सियस अधिक है। न्यूनतम तापमान 25 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने की संभावना है।
- अधिकांश क्षेत्रों में 12 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मुख्य रूप से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 70 प्रतिशत तथा शाम में 20 से 25 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- खरीफ मक्का की बुआई एवं खेत की तैयारी का कार्य शीघ्र पूरा करें। अंतिम जुताई के समय 100–150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें। *शक्तिमान–2*, *शक्तिमान–5*, *शक्तिमान–6* एवं *राजेन्द्र शंकर मक्का–3* किस्मों की बुआई करें।
- जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की समुचित सुविधा उपलब्ध है और जो लंबी अवधि वाली धान की खेती करना चाहते हैं, वे आगामी 4 से 5 दिनों के भीतर *राजश्री, राजेन्द्र मानसूरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1* एवं *बी.पी.टी.–5204* किस्मों का बिचड़ा बीजस्थली में गिराने का कार्य पूरा करें। बुआई से पूर्व बीजों को बाविस्टीन 1.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें तथा बीजस्थली में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- किसान भाई भिंडी, कद्दू, खीरा, नेनुआ, लौकी आदि ग्रीष्मकालीन सब्जियों में निराई–गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का कार्य करें। गर्म एवं उमस भरे मौसम में पत्ती भक्षक एवं फल छेदक कीटों का प्रकोप बढ़ सकता है, इसलिए नियमित निगरानी रखें तथा आवश्यकता होने पर डाइमेथोएट 30 ई.सी. 1 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- वर्तमान मौसम परिस्थितियाँ मिर्च में विषाणुजनित (वायरल) रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल हो सकती हैं। किसान भाई रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर मिट्टी में दबाकर नष्ट करें। इसके बाद वाहक कीटों के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- खरीफ प्याज की बीजस्थली तैयार करें तथा स्वस्थ पौध उत्पादन के लिए बीजस्थली में अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें। *एन–53*, *एग्रीफाउंड डार्क रेड*, *अर्का कल्याण* एवं *भीमा सुपर* किस्मों की बुआई करें। बीजों की व्यवस्था प्रमाणित स्रोत से करें तथा बुआई से पूर्व बीजोपचार अवश्य करें। बीज दर 8–10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- किसान भाइयों को मिट्टी की उर्वरता एवं जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ाने के लिए हरी खाद हेतु सनई एवं ढैंचा की बुआई करने की सलाह दी जाती है। आगामी वर्षा का लाभ उठाकर इन फसलों की बुआई समय पर पूर्ण करें।
- गरज–चमक एवं तेज हवाओं की संभावना को देखते हुए किसान भाई वज्रपात के समय खेतों में कार्य करने से बचें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी